Title: Need to form village defence committees in border areas of Jammu and Kashmir and provide them necessary financial assistance.

वैद्य विणु दत्त शर्मा (जम्मू) : अध्यक्ष जी, जम्मू कश्मीर में हम बारह साल से उग्रवाद से त्रस्त हैं। पाकिस्तान द्वारा सृजित उग्रवाद का मुकाबला करने के लिए और सर्वसाधारण समाज को सुरक्षा प्रदान करने के लिए जो हमारे सुरक्षा बलों ने काम किया है, वह सराहनीय है लेकिन उग्रवाद की बढ़ती हुई घटनाओं को रोकने के लिए पिछली बार का हमारा जो अनुभव है, वह यह है कि विलेज डिफेंस कमेटियों ने बहुत बड़ा रोल प्ले किया है। डोडा और भद्रवाह में विलेज कमेटियां बनने के बाद से उग्रवादियों को अत्याचार करने का मौका नहीं मिला। चूंकि अब संघा विराम केन्द्र की ओर से है, ऐसी स्थिति में हम समझते हैं कि जो बॉर्डर है, उसके दो हिस्से हैं। एक तो इंटरनेशनल बॉर्डर है और दूसरा एलओसी है। दोनों के साथ बड़ी मात्रा में विलेज डिफेंस कमेटियां बनाई जायें ताकि उग्रवादी गांवों में प्रवेश करके निरपराध और बेकसूर लोगों की हत्या न कर सकें। पिछले दिनों 15 गुर्जर मारे गये और उनको अपने घरों में ही जला डाला गया। ऐसे हादसों को रोका जा सकता है, इसलिए बड़ी मात्रा में उग्रवाद के मुकाबले के लिए बॉर्डर के साथ-साथ विलेज डिफेंस कमेटीज बननी चाहिए और उसके लिए केन्द्र की ओर से जितनी भी आर्थिक सहायता की आवश्यता हो, वह केन्द्र को देनी चाहिए।